Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-05-2006

Participants : Singh Kunwar Rewati Raman

>

Title : Need to clear the proposal to bring forth public bonds of REC and NHAI for the benefit of investors.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : महोदय, इस वर्ा के बजट में दो बांड आर.ई.सी तथा एन.एच.ए.आइ. का प्रावधान किया गया था तथा प्रापर्टी बेचने के सौदों से होने वाले लाभ का दस प्रतिशत प्रापॅर्टी विक्रेताओं को इन बॉन्डस में री-इन्वेस्ट करना था लेकिन वित्त मंत्रालय और सेंट्रल बोड ऑफ डायरेक्ट टैकस की काहिली के कारण देश के लाखों इन्वेस्टर चाह कर भी इन बांडस में री-इन्वेस्ट नहीं कर पायेंगे क्योंकि लगभग सवा महीना बीत जाने के बाद भी सरकार ने बजट में घोाति उन दो बांड के इश्यू को हरी झंडी नहीं दिखायी है जिसमें अपना मुनाफा लगाकर लोग 10 फीसदी टैक्स से बच सकते थे। यह छूट इन्कम टैक्स एक्ट के सेक्शन 54 इ.सी के तहत मिलती है।

मेरा वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि इस संबंध में समुचित कदम शीघ्र उठाया जाये।